Result Mitra Daily Magazine

बांग्लादेश में हिन्दुओं की घटती आबादी एवं ढाकेश्वरी मंदिर

❖ **हालिया संदर्भ :**

- हाल ही में बांग्लादेश की नई कार्यवाहक सरकार के प्रमुख मुहम्मद युनुस ने ढाका स्थित "ढाकेश्वरी मंदिर" का दौरा किया एवं बांग्लादेशी हिंदू समुदाय को समान न्याय देने की बात कही।
- ज्ञातव्य है कि पिछले 5 अगस्त को बांग्लादेशी प्रधानमंत्री शेख हसीना की आवामी लीग की सरकार के पतन के बाद बांग्लादेश के अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर बडे पैमाने पर हमले हुए।
- बांग्लादेश के अल्पसंख्यक हिंदुओं को बांग्लादेश के 50 जिलों में 200 से अधिक हिंसक हमलों का सामना करना पडा है।
- बांग्लादेश में विद्रोह की स्थिति पैदा होने एवं पुलिस व्यवस्था के ध्वस्त होने के कारण बांग्लादेशी हिंदु परिवारों, संस्थानों एवं मंदिरों को काफी नुकसान पहुँचाया गया।
- बांग्लादेशी समाचार पत्रों के अनुसार हिंदुओं पर हुए विभिन्न हमलों में अब तक पांच लोगों के मारे जाने की खबर है।

❖ बांग्लादेश में हिंदु सबसे बडा अल्पसंख्यक समुदाय :

- वर्ष 2022 की बांग्लादेश की जनगणना के अनुसार बांग्लादेश में हिंदु समुदाय की कुल जनसंख्या 13.1 मिलियन है जो देश की कुल आबादी की 7.96 प्रतिशत है।
- बांग्लादेश की अन्य अल्पसंख्यक समुदाय बौद्ध, ईसाई आदि की कुल आबादी देश की कुल जनसंख्या का 1 प्रतिशत से भी कम है।
- बांग्लादेश की कुल आबादी 165.16 मिलियन है जिसका 91.08 प्रतिशत आबादी मुस्लिम है।
- बांग्लादेश के कुल 64 जिलों में 13 जिलों में हिंदुओं की आबादी 15 प्रतिशत से ज्यादा है जबकि 21 जिलों में इनकी आबादी 10 प्रतिशत से कम है।
- बांग्लादेश के प्रमुख हिंदु आबादी जिलों में ढाका डिविजन के गोपालगंज (29.94 प्रतिशत) के साथ प्रथम स्थान पर है।
- इनके बाद सिलहट डिवीजन के मौलवी बाजार (24.44 प्रतिशत), रंगपुर डिवीजन के ढाकुरगांव जिला (22.11 प्रतिशत) और खुलना डिवीजन के खुलना जिले (20.75 प्रतिशत) के साथ प्रमुख हिंदु आबादी वाले जिले है।

❖ बांग्लादेश में हिंदुओं की स्थिति :

- ऐतिहासिक रूप से बंगाली भाषा क्षेत्र (वर्तमा में बांग्लादेश) हिंदु बाहुल्य आबादी वाला क्षेत्र था।
- 20वी शताब्दी की शुरूआत में बंगाली भाषा क्षेत्र (बांग्लादेश) की कुल आबादी का एक तिहाई आबादी हिंदुओं की थी।
- वर्ष 1901 के बाद से बंगाली भाषा क्षेत्र (वर्तमान बांग्लादेश) में हुए प्रत्येक जनगणना में हिंदुओं की आबादी में लगातार गिरावट देखी गई।
- वर्ष 1941 से 1974 के बीच जब बांग्लादेश पूर्वी पाकिस्तान के रूप में जाना जाता था कि अवधि के दौरान जनगणना में हिंदुओं की आबादी में तीव्र गिरावट दर्ज की गई।
- वर्ष 1951 में इस क्षेत्र में हुए जनगणना में वर्ष 1941 की जनगणना की तुलना में हिंदुओं की आबादी में सबसे बडी गिरावट दर्ज की गई।
- वर्ष 1941 की जनगणना में इस क्षेत्र में हिंदुओं की आबादी 11.8 मिलियन थी जो वर्ष 1951 की जनगणना में गिरकर 9.2 मिलियन रह गई।
- हालांकि वर्ष 2001 की जनगणना में इस क्षेत्र में हिंदु आबादी बढकर विभाजन-पूर्व के अपने स्तर 11.8 मिलियन तक पहुँच गई।
- बंगाली राजा क्षेत्र यानि वर्तमान बांग्लादेश में मुस्लिम आबादी में वर्ष 1941 की तुलना में वर्ष 2001 तक अप्रत्याशित रूप से वृद्धि दर्ज की गई।

Result Mitra TM

- वर्ष 1941 में इस क्षेत्र में मुस्लिम समुदाय की कुल जनसंख्या 29.5 मिलियन थी जो वर्ष 2001 में बढकर 110.4 मिलियन हो गई।
- वर्ष 1901 की जनगणना के अनुसार इस क्षेत्र में मुस्लिम आबादी कुल आबादी का 66.1 प्रतिशत था जो वर्ष 2022 की बांग्लादेश की जनगणना के अनुसार बढकर 91.8 प्रतिशत हो गई।

❖ बंगाली भाषा क्षेत्र (वर्तमान बांग्लादेश) में जनसांख्यिकी में बदलाव के कारक:

➢ प्रजनन दर मे अंतर :

- विभिन्न इतिहासकारों के अनुसार बंगाली भाषा क्षेत्र में मुसलमानों की प्रजनन दर ऐतिहासिक रूप से हिंदुओं की तुलना मे अधिक रही है।
- भारत की पहली जनगणना 1872 के बाद के आंकडों से पता चलता है कि तत्कालीन हिंदु बाहुल्य क्षेत्र पश्चिम बंगाल में हिंदुओं की प्रजनन दर मुस्लिम बाहुल्य पूर्वी बंगाल में मुस्लिमों की प्रजनन की तुलना में काफी अंतर था।
- इसके अलावा विभिन्न इतिहासकारों का मानना है कि बंगाल के मुस्लिम समुदाय के लोग शैक्षिक एवं आर्थिक रूप से पिछडे हुए थे जो उनके उच्च प्रजनन दर के जिम्मेदार कारकों में से एक था।
- वर्ष 1969 में जनसांख्यिकी विशेषज्ञ जे स्टोकेल एवं एम ए चौधरी ने अपनी एक शीर्षक "डिफरेंशियल फर्टिलिटी इन ए रूरल एरिया ऑफ ईस्ट पाकिस्तान" में लिखा कि पूर्वी पाकिस्तान में मुसलमानों की कुल वैवाहिक प्रजनन दर प्रति महिला 7.6 बच्चे थी जबकि हिंदु महिला के लिये यह 5.6 प्रति महिला बच्चे थी।
- हालांकि वर्ष 2014 के आंकडे के अनुसार बांग्लादेश में हिंदुओं औ मुसलमान दोनों के प्रजनन दर में गिरावट आई।
- वर्ष 2014 के आंकडे के अनुसार मुसलमानों की प्रति महिला प्रजनन दर 2.3 बच्चे थी जबकि हिंदुओं में यह 1.9 थी।

➢ विभाजन और पलायन :

- ब्रिटिश भारत के बंगाल और पंजाब दो ऐसे प्रांत थे जिनका धर्म के आधार पर भारत और पाकिस्तान के बीच बंटवारा हुआ।
- दोनों प्रांत में धर्म के आधार पर विभाजन अव्यवस्थित एवं मनमाना था जिसके कारण इन दोनों प्रांत के सांप्रदायिक हिंसा ने इन क्षेत्रों के जनसांख्यिकी बदलाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- हालांकि इस विभाजन के कारण पंजाब के विपरीत बंगाल में भारत और पाकिस्तान के बीच ज्यादा संख्या में सीमा पार जनसंख्या का कोई व्यापक प्रभाव नहीं पडा।

Result Mitra

- इतिहासकार ज्ञानेश कुदैस्या के अनुसार वर्ष 1947 के भारत-पाकिस्तान विभाजन के बाद लगभग 11.4 मिलियन हिंदु जो अविभाजित बंगाल की कुल हिंदु आबादी का 42 प्रतिशत था, पूर्वी बंगाल (बांग्लादेश) में रह गए।
- 1947 के विभाजन के समय केवल 3.5 लाख हिंदु शरणार्थी पश्चिम बंगाल (भारत) में आए।
- इतिहासकार ज्ञानेश कुदैस्या के अनुसार भारत के विभाजन के 1948 में भारत में कुल 7.86 लाख लोग भारत आए जबकि वर्ष 1949 में लगभग 2.13 लाख बंगाली शरणार्थी सीमा पार करके पश्चिम बंगाल मे दाखिल हुए तथा वर्ष 1951 में लगभग 1.87 लाख शरणार्थी, 1952 में 2 लाख शरणार्थी, 1953 में 76 हजार, 1954 में 1.18 लाख शरणार्थी भारत आए।
- वर्ष 1955 में जब पाकिस्तान में 'इस्लामिक संविधान' अपनाया तब सबसे बडी मात्रा में लगभग 3.2 लाख शरणार्थी भारत आए तथा यह सिलसिला 1960 तक चलता रहा।
- एक अनुमान के अनुसार 1947 से 1960 के बीच लगभग 30 लाख शरणार्थी पाकिस्तान छोडकर भारत आए।
- भारत में आए बडी तादाद में पाकिस्तानी हिंदु-शरणार्थी के कारण 1951 और 1961 के बीच असम, (वर्तमान मेघालय, नागालैंड और मिजोरम सहित) पश्चिम बंगाल एवं त्रिपुरा की जनसंख्या में अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की गई।
- भारत में हिंदु शरणार्थियों के प्रवासन की लहर वर्ष 1971 में पाकिस्तानी सेना द्वारा पूर्वी बंगाल में बंगाली भाषा वाले लोगों के खिलाफ चलाए गए जानलेवा अभियान के बाद फिर से तेज हो गई।
- 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के दौरान लगभग 10 मिलियन लोग भारत में शरणार्थी के रूप में आए जिनमें से 70 प्रतिशत शरणार्थी हिंदु समुदाय के थे।
- 1971 के मुक्ति संग्राम के परिणामस्वरूप पूर्वी पाकिस्तान का बांग्लादेश के रूप में उदय के बाद भारत में हिंदु शरणार्थी का भारत में आना लगभग कम हो गया।
- हालांकि भारत का अपने पडोसी मुल्क के साथ छिद्रपूर्ण सीमाएं, सुस्थापित पारिवारिक और रिश्तेदारी नेटवर्क और बांग्लादेश तथा पाकिस्तान में समय-समय पर होने वाले अंतर-धार्मिक तनाव भारत में हिंदु शरणार्थी के प्रवासन के प्रमुख चालक रहे हैं।

❖ ढाकेश्वरी मंदिर :

- ढाकेश्वरी मंदिर ढाका (बांग्लादेश) में स्थित एक हिंदु मंदिर है।
- ढाकेश्वरी मंदिर का स्वामित्व बांग्लादेश सरकार के पास है, जिससे इसे बांग्लादेश का "राष्ट्रीय मंदिर" होने का गौरव प्राप्त है।
- ढाकेश्वरी मंदिर सबसे पवित्र "शक्ति पीठों" में से एक है।

- हिंदु धार्मिक ग्रंथों के अनुसार ऐसा माना जाता है कि आग में जली देवी सती को जब भगवान शंकर आकाश मार्ग से ले जा रहे थे तो देवी सती की मुकुट की मणि यहाँ गिरी थी।
- हालांकि देवी सती की 'मणि' यहाँ पहले ही लुप्त हो गई थी।
- ढाकेश्वरी मंदिर बांग्लादेश का सबसे बडा हिंदु मंदिर है।
- वर्ष 1996 में बांग्लादेश सरकार ने ढाकेश्वरी मंदिर को राष्ट्रीय मंदिर घोषित किया।
- ढाकेश्वरी मंदिर का निर्माण 1100 ई. में सेन वंश के राजा बल्लाल सेन ने करवाया था।

TM
Result Mitra